Assignment (Hindi) class (V)

Ch - 1 (हिमालय के प्रति) (Reader)

शब्द = अर्थ (in copy)
① शीश = सिर
② नमन = प्रणाम
③ नयनों = आँखों
④ तीर्थस्थल = पवित्र जगह
⑤ प्रहरी = पहरेदार
⑥ गर्वोन्नत = गर्व से ऊँचा
⑦ मानस = मन
⑧ न्योछावर = कुर्बान
⑨ गिरि = पर्वत-चोटी
⑩ गर्वित = अभिमान से भरी

कठिन शब्द (in copy)	
① तीर्थस्थल	⑩ न्योछावर
② तिलक	⑪ गवाही
③ हिमालय	⑫ प्रहरी
④ ऊँचाई	
⑤ गर्वित	
⑥ बाँहों	
⑦ दर्शन	
⑧ सच्चाई	
⑨ इतिहास	

प्र० - उ० :- in copy and in Book

(क) हिमालय को 'भारत का शीश' क्यों कहा गया है?

उत्तर :- क्योंकि सूरज सबसे पहले हिमालय के माथे पर तिलक लगाता है।

(ख) उड़ते बादलों के बारे में कवि ने क्या कल्पना की है?

उत्तर :- कि उड़ते बादल ऐसे लगते हैं जैसे वह हिमालय के नयनों में काजल लगा रहे हो

(ग) हिमालय दूसरों के लिए क्या चाहता है?

उत्तर :- हिमालय दूसरों के लिए उन्नति चाहता है।

(घ) हिमालय किस बात का गवाह है?

उत्तर :- इतिहास इस बात का गवाह है कि हिमालय कभी किसी के सामने झुका नहीं है।

आशय स्पष्ट करो :- (क) 'सूरज सबसे पहले इसके माथे पर तिलक लगाता है।

(क) उत्तर हिमालय पर्वत भारतमाता का सिर है जिसके माथे पर सूरज की किरणें तिलक लगाती हैं।

(ख) बाँहों में गंग-जमुन जल है।" उत्तर :- कवि का आशय है कि हिमालय पर्वत पर गंगा जमुना ऐसे बह रही हैं जैसे उसकी दो बाँहें हो।

(ग) "आरती सजाता नील गगन" उत्तर :- कवि का आशय है कि नीला आसमान माता के इस गौरव मय पर्वत की आरती उतार रहा हो।

(घ) 'जिसके यश को सागर गाता है।" उत्तर :- कवि का आशय यह है कि हिमालय पर्वत की प्रसिद्धि को सागर अपनी अनगिनत लहरों रूपी आवाज में गान करता है

(ङ) 'इस तीरथ के दर्शन से ही - मानस बन जाता है दर्पण।' उत्तर :- कवि का आशय है कि हिमालयरूपी पर्वत के दर्शन मात्र से ही मनुष्य का मन शीशे की तरह साफ हो जाता है

संधि विच्छेद करो :- (in Book) Pg. No. 11

हिमालय = हिम + आलय / सूर्योदय = सूर्य + उदय / पूर्वोत्तर = पूर्व + उत्तर

नीचे लिखे संज्ञाओं को उचित शीर्षक के नीचे लिखो :- (in Book) Pg. 11

① व्यक्तिवाचक = हिमालय, भारत

② जातिवाचक = प्रहरी, उन्नति

③ भाववाचक = सच्चाई, सुन्दरता

पाठ-2 (मंत्र-तंत्र)

कठिन शब्द :- in copy	शब्द = अर्थ in copy	वाक्य बनाओ :- in copy
(1) गृहस्थ	(1) गृहस्थ = घरपरिवार	कुमार :- (1) कुमार एक अच्छा आदमी था।
(2) कुदाल	(2) स्थान = जगह	(2) कुमार दूसरों की स्त्री को माँ के समान समझता था।
(3) सुरपा	(3) आमोद-प्रमोद = मौज-मस्ती	मुखिया :- (1) मुखिया ने राजा से सबकी शिकायत की।
(4) चौराहे	(4) संग्रह = जमा	(2) मुखिया की सारी जायदाद राजा ने छीन ली।
(5) काठ-पत्थर	(5) आमदनी = आय	
(6) हाज़िर	(6) उपद्रव = दंगा	
(7) शिकायत	(7) उपाय = तरीका	
(8) जुर्माना	(8) हाज़िर = पेश	
(9) मुखिया	(9) जीवहिंसा = जीवों को मारना	
(10) ऊँची-नीची	(10) दुष्ट = मक्कार	

प्र० उ० :- (in copy and in Book)

(क) कुमार किस प्रकार का व्यक्ति था?

उत्तर :- कुमार एक अच्छा व्यक्ति था।

(ख) कुमार अपने साथियों के साथ मिलकर क्या-क्या काम करता था?

उत्तर :- कुमार अपने साथियों के साथ मिलकर रास्ते में आए पत्थर को हटा देता था, ऊँची नीची जगहों को समान कर देते थे। जरूरत पड़ने पर पुल बाँध देते थे, तालाब खोद देते थे या दान कर देते थे।

(ग) गाँव का मुखिया क्यों परेशान हो गया?

उत्तर :- गाँव का मुखिया इसलिए परेशान हो गया क्योंकि अब न कोई शराब पीता था, और न कोई जुर्म करता था जिससे उसकी आमदनी बंद हो गई थी।

(घ) मुखिया की शिकायत पर राजा ने क्या हुक्म दिया?

उत्तर :- मुखिया की शिकायत पर राजा ने हुक्म दिया कि इन्हें बाँध कर हाथी के पैर से कुचलकर मार दिया जाए।

(ङ) अंत में विजय किसकी हुई?

उत्तर :- अंत में विजय कुमार की हुई।

किसने, किससे कहा :- (in Book) Pg-18

किसने कहा?	किससे कहा?
(क) गाँव के सब लोग चोर हो गए हैं।	मुखिया ने	राजा से
(ख) जाओ, हाथी के पैर से कुचलकर इन्हें मार डालो।	राजा ने	सैनिकों से
(ग) यह ठीक है कि राजा अन्याय कर रहे हैं।	कुमार ने	साथियों से
(घ) क्यों जी, क्या तुम लोग मंत्र-तंत्र जानते हो?	राजा ने	गाँव वालों से
(ङ) हम सभी आदमी जीव हिंसा नहीं करते।	कुमार ने	राजा से

खाली स्थान भरो :- (in Book) Pg-18

(क) कुमार के बड़े होने पर उसका विवाह कर दिया।

(ख) कुमार एक अच्छा आदमी था।

(ग) गाँव में केवल तीस गृहस्थों के घर थे।

(घ) राजा को लगा कि उन लोगों के हाथ में कोई दवा है।

(ङ) राजा ने मुखिया से उसकी सारी जायदाद छीन ली।

सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ :-

उत्तर :- (क) गृहस्थ (ख) माँ (ग) हाथी (घ) कुमार की